जैन धर्म के उदय के कारण, परिस्थितियां एवं तीर्थंकर

डॉ. कमलेश कुमार

सहायक प्राध्यापक (अतिथि)

प्राचीन इतिहास विभाग

SNSRKS COLLEGE SAHARSA

लगभग 600 BC के आस-पास महत्वपूर्ण धार्मिक दार्शनिक क्रांति हुई| इस समय कई नवीन विचारकों एवं विचारों का उदय हुआ| इन्हीं में से एक प्रमुख विचारक महावीर स्वामी ने जैन धर्म को स्थापित किया| इसके उदय के प्रमुख कारण निम्न थे:

- नई कृषि मूलक अर्थव्यवस्था का विस्तार
- तत्कालीन सामाजिक विद्वेष का वातावरण
- आर्थिक क्षेत्र में हुए परिवर्तन
- आडम्बर और यज्ञबलि प्रधान धार्मिक मान्यता

आप समझ चुके होंगे की जैन धर्म के उदय के कारण के लिए वह सभी कारक जिम्मेदार थे जो 600 BC के धार्मिक-दार्शनिक क्रांति के लिए जिम्मेदार थे| हमनें एक स्वतंत्र लेख में इस बारे में चर्चा किया है, आपको उसे पढना चाहिए|

तीर्थंकर

हालाँकि जैन परम्परा में जैन धर्म के एक प्राचीन एवं शाश्वत धर्म होने तथा तथा चौबीस तीर्थंकर होने की बात मिलती है लेकिन एतिहासिक प्रमाण केवल 23 वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ एवं 24वें एवं अंतिम तीर्थंकर महावीर स्वामी का प्राप्त होता है.